



पनिाका एक्सटेंडेड रेंज ससि्टम

हाल ही में [रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन](#) (Defence Research and Development Organization-DRDO) द्वारा पनिाका एक्सटेंडेड रेंज (Pinaka Extended Range- Pinaka-ER) मल्टीपल लॉन्च रॉकेट ससि्टम (Multiple Launch Rocket System- MLRS) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

- इससे पहले, DRDO ने [सुपरसोनिक मिसाइल अससिस्टेड टॉरपीडो ससि्टम](#) (Supersonic Missile Assisted Torpedo System-SMART) को भी लॉन्च किया था।

प्रमुख बढि

- पनिाका एक्सटेंडेड रेंज ससि्टम के बारे में:

- पनिाका, एक मल्टी-बैरल रॉकेट-लॉन्चर (MBRL) प्रणाली है जिसका नाम शवि के धनुष के नाम पर रखा गया है, जो 44 सेकंड की अवधि में 12 रॉकेटों का एक सैल्वो फायर (Salvo Fire) करने में सक्षम है।
- नया संस्करण अपने पूर्व संस्करण की तुलना में अधिक शक्तिशाली एवं उन्नत तकनीक से युक्त है तथा वज़न में अपने पिछले संस्करण की तुलना में हल्का है।
- एक्सटेंडेड रेंज ससि्टम का नया परीक्षण 45 किलोमीटर तक की रेंज/सीमा हासिल कर सकता है जो भारतीय सेना के लिये एक बड़ी उपलब्धि है।

- सेना में सेवारत मौजूदा पनिाका प्रणाली की रेंज 35-37 किलोमीटर तक है।

- महत्त्व:

- पनिाका का नया संस्करण एक स्वदेशी भारतीय हथियार प्रणाली के साथ विकसित होने वाली विकास प्रक्रिया के कुछ उदाहरणों में से एक है।

पनिाका: पृष्ठभूमि और संस्करण

- पृष्ठभूमि

- 'पनिाका' मल्टी-बैरल रॉकेट ससि्टम का विकास 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन' (DRDO) द्वारा 1980 के दशक के अंत में शुरू किया गया था। इसे रूस के 'मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर' ससि्टम (जिसमें 'ग्रैड' भी कहा जाता है) के विकल्प के रूप में विकसित किया गया था।
- वर्ष 1990 के अंत में पनिाका मार्क-1 के सफल परीक्षणों के बाद, [वर्ष 1999 के कारगलि युद्ध](#) के दौरान पहली बार युद्ध के मैदान में इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया गया था। इसके बाद 2000 के दशक में ससि्टम के कई रजिमेंट्स आए।

- संस्करण

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने पनिाका के Mk-II और गाइडेड वेरिएंट का भी विकास और सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जिसकी रेंज लगभग 60 किलोमीटर है, जबकि गाइडेड पनिाका ससि्टम की रेंज 75 किलोमीटर है और इसमें एकीकृत नेविगेशन, नयितरण तथा मार्गदर्शन प्रणाली भी मौजूद है।
 - गाइडेड पनिाका मिसाइल की नेविगेशन प्रणाली को '[भारतीय कषेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट ससि्टम](#)' (IRNSS) द्वारा भी सहायता प्राप्त होती है।
- वर्ष 2020 में ओडिशा के तट से दूर चाँदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से [पनिाका मार्क \(एमके\)-1](#) मिसाइल के एक उन्नत संस्करण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था।

स्रोत: द हद्दि

